भारत सरकार
भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय
भारी उद्योग विभाग

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 3083
जिसका उत्तर बुधवार 14 दिसम्बर, 2016 को दिया जाना है

**ऑटोमोटिव मिशन योजना की सफलता**

**3083. डॉ. के. वी. पी. रामचन्द्र राव:**

क्या भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार और उद्योग द्वारा संयुक्त रूप से शुरू की गई ऑटोमोटिव मिशन योजना - 2006-2026 सफल रही है;

(ख) यदि हां, तो (i) उद्योग के लक्षित उत्पादन (ii) सकल घरेलू उत्पाद के योगदान और (iii) अतिरिक्त रोजगार-सृजन के संदर्भ में क्या-क्या उपलब्धियां हैं; और

(ग) क्या ऑटोमोबाइल्स और ऑटो घटकों के डिजाइन और विनिर्माण में कोई विशेष उपलब्धि है?

**उत्तर**
**भारी उद्योग और लोक उद्यम राज्य मंत्री**
**(श्री बाबुल सुप्रियो)**

**(क) और (ख):** भारत सरकार और भारतीय ऑटोमोटिव उद्योग द्वारा संयुक्त रूप से शुरू किया गया ऑटोमोटिव मिशन प्लान (एएमपी) - 2006-2016 इस उद्योग के विकास की रूपरेखा निर्धारित करने के अपने प्रयास में काफी हद तक सफल रहा है। भारत ने वैश्विक एवं स्थानीय ओईएम के साथ-साथ कलपुर्जों के विनिर्माताओं से महत्वपूर्ण मात्रा में अर्थात् ₹1,57,500 करोड़ के लक्ष्य से भी अधिक निवेश किया है। ऑटोमोटिव उद्योग ने पिछले दशक में 25 मिलियन वृद्धिशील रोजगार सृजित करने का लक्ष्य प्राप्त किया है।

भारत सरकार और भारतीय ऑटोमोटिव उद्योग द्वारा संयुक्त रूप से आगामी दशक 2016-26 के लिए, दूसरे ऑटोमोटिव मिशन प्लान, 2026 को भी अंतिम रूप दिया गया है।

**(ग):** जी, हां। ऑटोमोबाइल उद्योग ने देश में डिजाइनिंग एवं विनिर्माण क्षमताओं को विकसित करने में महत्वपूर्ण उपलब्धियां प्राप्त की हैं। अब भारत मात्र एक ऑटोमोबाइल उत्पादक हब से उभरकर डिजाइनिंग एवं विकास हब भी बन गया है।

******